शिवाजी विश्वविद्‌यालय, कोल्हापुर
महाराष्ट्र

दूर शिक्षा केंद्र

हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र 1 सत्र 1

प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य

हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र 5 सत्र 2

सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य

(शैक्षिक वर्ष 2018-19 से)

एम. ए. भाग–1

© **कुलसचिव,** शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
प्रथम संस्करण : 2018
एम. ए. भाग 1 (हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र–1 और 5)
सभी अधिकार विश्वविद्यालय के अधीन। शिवाजी विश्वविद्यालय की अनुमति के बिना किसी भी सामग्री की नकल न करें।

प्रतियाँ : 600

■

प्रकाशक :
डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

मुद्रक :
श्री. बी. पी. पाटील
अधीक्षक,
शिवाजी विश्वविद्यालय मुद्रणालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

ISBN-978-81-938801-4-2

★ दूर शिक्षा केंद्र और शिवाजी विश्वविद्यालय की जानकारी निम्नांकित पते पर मिलेगी–
शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर–416 004. (भारत)
★ दूर शिक्षा विभाग–विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के विकसन अनुदान से इस साहित्य की निर्मिति की है।

दूर शिक्षा केंद्र, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

सलाहकार समिति

प्रा. (डॉ.) देवानंद शिंदे
मा. कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) डी. टी. शिर्के
प्र-कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. एम. साळुंखे
माजी कुलगुरू,
यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिक

प्रा. (डॉ.) के. एस. रंगाप्पा
मा. कुलगुरू,
म्हैसुर विश्वविद्यालय, म्हैसुर

प्रा. पी. प्रकाश
अतिरिक्त सचिव-II
विद्यापीठ अनुदान आयोग, नवी दिल्ली

प्रा. (डॉ.) सीमा येवले
गीत-गोविंद, फ्लॅट नं. २, ११३९ साईक्स एक्स्टेंशन,
कोल्हापुर-४१६००१

प्रा. (डॉ.) पी. एस. पाटील
I/c अधिष्ठाता, विज्ञान और तंत्रज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) ए. एम. गुरव
I/c अधिष्ठाता, वाणिज्य और व्यवस्थापन विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) भारती पाटील
I/c अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) पी. डी. राऊत
I/c अधिष्ठाता, आंतर-विद्याशाखीय अभ्यास विद्याशाखा
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. एम. ए. काकडे
संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. व्ही. टी. पाटील
वित्त व लेखा अधिकारी,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. ए. अनुसे
(सदस्य सचिव)
संचालक, दूर शिक्षा केंद्र,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

समन्वय समिती : हिंदी

डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील,
अध्यक्षा, हिंदी अधिविभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

- **डॉ. पी. बी. मोकाशी**
  अवकाशप्राप्त प्राचार्य,
  आदर्श कॉलेज, विटा, जि. सांगली

- **डॉ. एन. व्ही. केसरकर**
  अवकाशप्राप्त प्राध्यापक
  प्रा. डॉ. एन. डी. पाटील महाविद्यालय, मलकापुर
  ता. शाहुवाडी, जि. कोल्हापुर

दूर शिक्षा केंद्र
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर

प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य/
सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य
एम. ए. भाग–1
हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र–1 और 5

इकाई लेखक

★ **प्रो. डॉ. सुरेश माहेश्वरी** प्रताप महाविद्यालय, अमलनेर
★ **डॉ. शैलजा माहेश्वरी** प्रताप महाविद्यालय, अमलनेर
★ **प्रा. अस्लम शेख** भोगावती महाविद्यालय, कुरुकली
★ **डॉ. शाहीन अब्दुलअजीज पटेल** शंकरराव जगताप आर्टस् ॲण्ड कॉमर्स, कॉलेज, वाघोली

■ **सम्पादक** ■

प्रा. अस्लम शेख
भोगावती महाविद्यालय, कुरुकली

डॉ. शाहीन अब्दुलअजीज पटेल
शंकरराव जगताप आर्टस् ॲण्ड कॉमर्स,
कॉलेज, वाघोली

भूमिका

शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर की दूर शिक्षा योजना के अंतर्गत एम. ए. हिंदी भाग-I के छात्रों के लिए बनायी गयी अध्ययन सामग्री नियमित रूप से प्रवेश न ले सकने वाले छात्रों की असुविधा को दूर करने की योजना का अच्छा फल है। इसमें विश्वविद्यालय की सामाजिक संवेदनशीलता तथा शिक्षा से वंचित छात्रों को सुविधा प्रदान करने की प्रतिबद्धता दिखायी देती है।

प्रस्तुत पुस्तक में सत्र I प्रश्नपत्र I 'प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य' तथा सत्र II प्रश्नपत्र V 'सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य' का लेखन संपन्न किया है। प्रस्तुत पुस्तक की इकाइयों के लेखक हैं- प्रा. डॉ. सुरेश माहेश्वरी, प्रा. डॉ. शैलाजा माहेश्वरी, प्रा. अस्लम शेख तथा प्रा. डॉ. शाहीन पटेल। प्रत्येक इकाई लेखक ने अपना अध्यापन अनुभव, शैली के आधार पर लेखन किया है। दूर शिक्षा के छात्रों की क्षमता ध्यान में रखकर सामग्री तैय्यार की है। प्रत्येक इकाई लेखक उनके लेखन के प्रति जिम्मेदार है।

दूर शिक्षा केंद्र के छात्रों का प्रत्यक्ष रूप में अध्यापकों से कोई संबंध संपर्क नहीं आता। पुस्तक लेखन कार्य के दरमियान निर्धारित पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्र का स्वरूप, अंकविभाजन जैसे महत्त्वपूर्ण मद्दों को ध्यानमें रखकर लेखनकार्य संपन्न किया है।

प्रश्न पत्र I के अंतर्गत पृथ्वीराज रासो (चंदबरदाई) सं-आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवरसिंह, पदावली (विद्यापति) सं. रामवृक्ष बेनीपुरी, कबीर सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी, पद्मावत (जायसी) सं. रामचंद्र शुक्ल तथा प्रश्नपत्र V के अंतर्गत भ्रमरगीत (सूरदास) सं. आ. रामचंद्र शुक्ल, रामचरित मानस (तुलसीदास) सं. आ. रामचंद्र शुक्ल, रीतिकाव्यधारा (बिहारी) सं. आ. रामचंद्र तिवारी और रामफेर त्रिपाठी का अध्ययन करना है।

उपरोक्त कवियों ने अपनी रचनाओं का सृजन क्यों किया? अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति क्यों की? उनके समसामयिक परिवेश कैसे रहे? इन कवियों ने अभिव्यक्ति के लिए किस भाषा का प्रयोग किया। कौनसे काव्यरूप अपनाए? आदि प्रमुख मद्दों के आधार पर प्रस्तुत पुस्तक में पाठ्यक्रम की सभी इकाइयों का सरल भाषा द्वारा स्पष्टीकरण तथा विवेचन किया है। इसके आधार पर निश्चित रूप से एम. ए. हिंदी के लिए प्रवेशित छात्र अपना अध्ययन कार्य सफलता

से पूर्ण कर सकेंगे। स्नातकोत्तर उपाधि के अध्ययन के लिए छात्रों को विषय की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होना आवश्यक होता है। इस बात को इकाई लेखकों ने लेखनकार्य के दरमियान ध्यान में रखा। संपादक तथा इकाई लेखक के रूप में जिन्होंने काम संपन्न किया है, उन सभी ने अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है।

प्रस्तुत अध्ययन सामग्री की सफलता सामुहिक प्रयास का फल है। प्रस्तुत लेखन कार्य के लिए समय-समय पर विषय समन्वयक प्रो. डॉ. पद्मा पाटील जी का मार्गदर्शन रहा है। उसीतरह इकाई लेखकों ने अपनी-अपनी इकाइयों का लेखन समय पर पूरा कर इसकी पूर्णता में महत्त्वपूर्ण भमिका निभाइ है।

शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर के मा. कुलगुरू प्रो. देवानंद शिंदे, कुलसचिव डॉ. विलास नांदवडेकर, हिंदी विषय समन्वयक प्रो. (डॉ.) पद्मा पाटील (अध्यक्ष हिंदी विभाग), दूर शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. एम. ए. अनुसे एवं उनके सभी सहकारियों, संबंधित कर्मचारियों का हम अंतस्तल से आभार प्रकट करते हैं।

– संपादक

अनुक्रम

इकाई		पृष्ठ
	सत्र–1 अनिवार्य बीजपत्र–1 : प्राचीन तथा निर्गुण भक्तिकाव्य	
1.	पृथ्वीराज रासो – कवि चंदवरदायी, सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह	1
2.	पदावली – कवि विद्यापति – सं. – रामवृक्ष बेनीपुरी	57
3.	कबीर – सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी	110
4.	पद्मावत – कवि जायसी – सं. रामचंद्र शुक्ल	177
	सत्र–2 अनिवार्य बीजपत्र–5 : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य	
1.	भ्रमरगीत कवि सूरदास – संपादक. आ. रामचंद्र शुक्ल	239
2.	रामचरितमानस : कवि तुलसीदास संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल	277
3.	रीति काव्यधारा (कवि बिहारी) संपा. आ. रामचंद्र तिवारी	310
4.	रीति काव्यधारा (कवि भूषण) संपा. आ. रामचंद्र तिवारी	360

अध्ययन मंडल : हिंदी

डॉ. राजेंद्र पिलोबा भोसले
अध्यक्ष, आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, पुसेगांव, जिल्हा सातारा

- **प्रो. डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील**
  हिंदी विभाग,
  शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
- **डॉ. बी. एस. खिलारे**
  छत्रपती शिवाजी कॉलेज, सातारा
- **डॉ. एस. एम. कांबळे**
  तुकाराम कृष्णाजी कोळेकर आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज,
  नेसरी, ता. गडहिंग्लज, जि. कोल्हापूर
- **डॉ. बबन एस. सातपुते**
  मिरज महाविद्यालय, मिरज, जि. सांगली
- **डॉ. के. वाय. धुमाळ**
  आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, वडुज, जि. सातारा
- **डॉ. चिंधगे संजय पिराजी**
  देशभक्त आनंदराव बळवंतराव नाईक आर्टस ॲण्ड सायन्स कॉलेज, चिखली, ता. शिराळा, जि. सांगली
- **डॉ. सुनिल बापू बनसोडे**
  जयसिंगपुर कॉलेज, जयसिंगपुर, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. एकनाथ श्रीपती पाटील**
  राधानगरी महाविद्यालय, राधानगरी,
  जि. कोल्हापुर
- **प्रो. डॉ. विष्णु रानबा सरोदे**
  हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
- **डॉ. मोहन मंगेशराव सावंत**
  आण्णासाहेब डांगे आर्टस, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज,
  हातकणंगले, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. प्रकाश शंकरराव चिकुर्डेकर**
  यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, वारणानगर,
  जि. कोल्हापुर
- **डॉ. मधुकर शंकरराव खराटे**
  आर्टस, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, बोधवाड,
  जि. जळगाव
- **डॉ. श्रीमती सरोज संग्राम पाटील**
  श्री. शहाजी छत्रपती महाविद्यालय, कोल्हापुर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
महाराष्ट्र

दूर शिक्षा केंद्र

हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र 2 और 6

हिंदी साहित्य का इतिहास

सत्र 1 और 2

(शैक्षिक वर्ष 2018-19 से)

एम. ए. भाग–1

© **कुलसचिव,** शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
प्रथम संस्करण : 2018
एम. ए. भाग 1 (हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र-2 और 6)
सभी अधिकार विश्वविद्यालय के अधीन। शिवाजी विश्वविद्यालय की अनुमति के बिना किसी भी सामग्री की नकल न करें।

प्रतियाँ : 600

■

प्रकाशक :
डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

मुद्रक :
श्री. बी. पी. पाटील
अधीक्षक,
शिवाजी विश्वविद्यालय मुद्रणालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

ISBN- 978-81-938801-9-7

★ दूर शिक्षा केंद्र और शिवाजी विश्वविद्यालय की जानकारी निम्नांकित पते पर मिलेगी-
शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर-416 004. (भारत)
★ दूर शिक्षा विभाग-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के विकसन अनुदान से इस साहित्य की निर्मिति की है।

दूर शिक्षा केंद्र, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

सलाहकार समिति

प्रा. (डॉ.) देवानंद शिंदे
मा. कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) डी. टी. शिर्के
प्र-कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. एम. साळुंखे
माजी कुलगुरू,
यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिक

प्रा. (डॉ.) के. एस. रंगाप्पा
मा. कुलगुरू,
म्हैसुर विश्वविद्यालय, म्हैसुर

प्रा. पी. प्रकाश
अतिरिक्त सचिव-II
विद्यापीठ अनुदान आयोग, नवी दिल्ली

प्रा. (डॉ.) सीमा येवले
गीत-गोविंद, फ्लॅट नं. २, ११३९ साईक्स एक्स्टेंशन,
कोल्हापुर-४१६००१

प्रा. (डॉ.) पी. एस. पाटील
I/c अधिष्ठाता, विज्ञान और तंत्रज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) ए. एम. गुरव
I/c अधिष्ठाता, वाणिज्य और व्यवस्थापन विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) भारती पाटील
I/c अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) पी. डी. राऊत
I/c अधिष्ठाता, आंतर-विद्याशाखीय अभ्यास विद्याशाखा
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. एम. ए. काकडे
संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. व्ही. टी. पाटील
वित्त व लेखा अधिकारी,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. ए. अनुसे
(सदस्य सचिव)
संचालक, दूर शिक्षा केंद्र,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

समन्वय समिती : हिंदी

डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील,
अध्यक्ष, हिंदी अधिविभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

- **डॉ. पी. बी. मोकाशी**
  अवकाशप्राप्त प्राचार्य,
  आदर्श कॉलेज, विटा, जि. सांगली

- **डॉ. एन. व्ही. केसरकर**
  अवकाशप्राप्त प्राध्यापक
  प्रा. डॉ. एन. डी. पाटील महाविद्यालय, मलकापुर
  ता. शाहुवाडी, जि. कोल्हापुर

इकाई लेखक

★ **डॉ. प्रदीप लाड** भोगावती महाविद्यालय, कुरुकली
★ **प्रा. डॉ. वर्षा गायकवाड** श्रीमती मथुबाई गरवारे कन्या महाविद्यालय, सांगली
★ **प्रा. कु. सुवर्णा नरसू कांबळे** कला व वाणिज्य महाविद्यालय, सातारा
★ **प्रा. अस्लम शेख** भोगावती महाविद्यालय, कुरुकली

■ **सम्पादक** ■

डॉ. प्रदीप लाड
भोगावती महाविद्यालय, कुरुकली

प्रा. अस्लम शेख
भोगावती महाविद्यालय, कुरुकली

भूमिका

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की दूर शिक्षा योजना के अंतर्गत एम्.ए. हिंदी भाग–I के छात्रों के लिए बनायी गयी अध्ययन सामग्री नियमित रूप से प्रवेश न ले सकने वाले छात्रों की असुविधा को दूर करने की योजना का अच्छा फल है। इसमें विश्वविद्यालय की सामाजिक संवेदनशीलता तथा शिक्षा से वंचित छात्रों को सुविधा प्रदान करने की प्रतिबद्धता दिखायी देती है।

प्रस्तुत पुस्तक में सत्र I प्रश्नपत्र II 'हिंदी साहित्य का इतिहास I' तथा सत्र II प्रश्नपत्र VI 'हिंदी साहित्य का इतिहास II' का लेखन संपन्न किया है। प्रस्तुत पुस्तक की इकाइयों के लेखक हैं– प्रा. डॉ. प्रदीप लाड, प्रा. अस्लम शेख, प्रा. डॉ. वर्षा गायकवाड, प्रा. सुवर्णा कांबळे। प्रत्येक इकाई लेखक ने अपना अध्यापन अनुभव, शैली के आधार पर लेखन किया है। दूर शिक्षा के छात्रों की क्षमता ध्यान में रखकर सामग्री तैय्यार की है। प्रत्येक इकाई लेखक उनके लेखन के प्रति जिम्मेदार है।

दूर शिक्षा केंद्र के छात्रों का प्रत्यक्ष रूप में अध्यापकों से कोई संबंध संपर्क नहीं आता। पुस्तक लेखन कार्य के दरमियान निर्धारित पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्र का स्वरूप, अंक विभाजन जैसे महत्त्वपूर्ण मद्दों को ध्यान मे रखकर लेखन कार्य संपन्न किया है।

प्रश्नपत्र II के अंतर्गत साहित्येतिहास की आवश्यकता, महत्त्व और लेखन के विविध प्रयास, हिंदी साहित्य का कालविभाजन और प्रवृत्तियाँ, आदिकालीन गद्य साहित्य, संक्रातिकाल का नामकरण, महत्त्व और कवि, भक्तिकाल का परिवेश, भक्ति आंदोलन, निर्गुण की ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी तथा सगुण की रामभक्ति, कृष्ण भक्ति काव्यधाराओं का सैद्धांतिक अध्ययन, इन काव्यधाराओं के प्रमुख संतकवि, सूफी कवि, कृष्ण भक्त कवि, अष्टछाप कवि, उनकी रचनाएँ, संप्रदाय निरपेक्ष कृष्णभक्ति काव्यधारा, रीतिकाल का परिवेश, काव्यधाराएँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि तथा काव्य–कृतियाँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य का अध्ययन करना है।

प्रश्नपत्र VI के अंतर्गत भारतेन्दु युगीन, महावीरप्रसाद, द्विवेदी युगीन, छायावादी और उत्तर छायावादी युगीन कविता के परिवेश, प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ, काव्य प्रवृत्तियाँ; प्रगतिवादी, प्रयोगवादी, नई कविता, समकालीन कविता के परिवेश, प्रमुख कवि, उनकी रचनाएँ, काव्य–

प्रवृत्तियाँ, विविध आंदोलन, वैचारिक पृष्ठभूमि, परिवर्तित नवीन सोपान; उपन्यास, कहानी, नाटक साहित्य का विकास, प्रमुख रचनाकार तथा उनकी कृतियाँ, वैचारिक प्रवाह, साठोत्तरी कथा-साहित्य; निबंध, यात्रा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी, पत्र, रिपोर्ताज साहित्य का उद्‌भव और विकास का अध्ययन करना है।

उपरोक्त कवियों ने अपनी रचनाओं का सृजन क्यों किया? अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति क्यों की? उनके समसामायिक परिवेश कैसे रहे? इन कवियों ने अभिव्यक्ति के लिए किस भाषा का प्रयोग किया। कौनसे काव्यरूप अपनाए? आदि प्रमुख मद्‌दों के आधार पर प्रस्तुत पुस्तक में पाठ्यक्रम की सभी इकाइयों का सरल भाषा द्‌वारा स्पष्टीकरण तथा विवेचन किया है। इसके आधार पण निश्चित रूप से एम्‌. ए. हिंदी के लिए प्रवेशित छात्र अपना अध्ययन कार्य सफलता से पूर्ण कर सकेंगे। स्नातकोत्तर उपाधि के अध्ययन के लिए छात्रों को विषय की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होना आवश्यक होता है। इस बात को इकाई लेखकों ने लेखनकार्य के दरमियान ध्यान में रखा। संपादक तथा इकाई लेखक के रूप में जिन्होंने काम संपन्न किया है, उन सभीने अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है।

प्रस्तुत अध्ययन सामग्री की सफलता सामुहिक प्रयास का फल है। प्रस्तुत लेखन कार्य के लिए समय-समय पर विषय समन्वयक प्रो. पद्‌मा पाटील जी का मार्गदर्शन रहा है। उसी तरह इकाई लेखकों ने अपनी-अपनी इकाइयों का लेखन समय पर पूरा कर इसकी पूर्णता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

शिवाजी विश्वविद्‌यालय, कोल्हापुर के मा. कुलगुरू प्रो. देवानंद शिंदे, कुलसचिव डॉ. विलास नांदवडेकर, हिंदी विषय समन्वयक प्रो. (डॉ.) पद्‌मा पाटील (अध्यक्ष हिंदी विभाग), दूर शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. एम्‌. ए. अनुसे एवं उनके सभी सहकारियों, संबंधित कर्मचारियों का हम अंतस्तल से आभार प्रकट करते हैं।

– संपादक

अनुक्रम

इकाई		पृष्ठ
	सत्र–1 अनिवार्य बीजपत्र–2 : हिंदी साहित्य का इतिहास	
1.	साहित्येतिहास तथा हिंदी साहित्य का इतिहास	1
2.	पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) निर्गुण भक्ति काव्यधारा	
3.	पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) सगुण भक्ति काव्यधारा	
4.	उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)	
	सत्र–2 अनिवार्य बीजपत्र–6 : हिंदी साहित्य का इतिहास	
1.	आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान	
2.	आधुनिक हिंदी कविता : विकास प्रक्रिया के सोपान	
3.	कथा साहित्य का विकास	
4.	कथेत्तर साहित्य का इतिहास	

अध्ययन मंडल : हिंदी

डॉ. राजेंद्र पिलोबा भोसले
अध्यक्ष, आर्टस अॅण्ड कॉमर्स कॉलेज, पुसेगांव, जिल्हा सातारा

- **प्रो. डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील**
  हिंदी विभाग,
  शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
- **डॉ. बी. एस. खिलारे**
  छत्रपती शिवाजी कॉलेज, सातारा
- **डॉ. एस. एम. कांबळे**
  तुकाराम कृष्णाजी कोळेकर आर्टस अॅण्ड कॉमर्स कॉलेज,
  नेसरी, ता. गडहिंग्लज, जि. कोल्हापूर
- **डॉ. बबन एस. सातपुते**
  मिरज महाविद्यालय, मिरज, जि. सांगली
- **डॉ. के. वाय. धुमाळ**
  आर्टस अॅण्ड कॉमर्स कॉलेज, वडुज, जि. सातारा
- **डॉ. चिंधगे संजय पिराजी**
  देशभक्त आनंदराव बळवंतराव नाईक आर्टस अॅण्ड सायन्स कॉलेज, चिखली, ता. शिराळा, जि. सांगली
- **डॉ. सुनिल बापू बनसोडे**
  जयसिंगपुर कॉलेज, जयसिंगपुर, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. एकनाथ श्रीपती पाटील**
  राधानगरी महाविद्यालय, राधानगरी,
  जि. कोल्हापुर
- **प्रो. डॉ. विष्णु रानबा सरोदे**
  हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
- **डॉ. मोहन मंगेशराव सावंत**
  आण्णासाहेब डांगे आर्टस, कॉमर्स अॅण्ड सायन्स कॉलेज,
  हातकणंगले, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. प्रकाश शंकरराव चिकुर्डेकर**
  यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, वारणानगर,
  जि. कोल्हापुर
- **डॉ. मधुकर शंकरराव खराटे**
  आर्टस, कॉमर्स अॅण्ड सायन्स कॉलेज, बोधवाड,
  जि. जळगाव
- **डॉ. श्रीमती सरोज संग्राम पाटील**
  श्री. शहाजी छत्रपती महाविद्यालय, कोल्हापुर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
महाराष्ट्र

दूर शिक्षा केंद्र

हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र 3 और 7

भाषाविज्ञान

सत्र 1 और 2

(शैक्षिक वर्ष 2018-19 से)

एम. ए. भाग–1

© **कुलसचिव,** शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
प्रथम संस्करण : 2018
एम. ए. भाग 1 (हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र-3 और 7)
सभी अधिकार विश्वविद्यालय के अधीन। शिवाजी विश्वविद्यालय की अनुमति के बिना किसी भी सामग्री की नकल न करें।

प्रतियाँ : 600

■

प्रकाशक :
डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

मुद्रक :
श्री. बी. पी. पाटील
अधीक्षक,
शिवाजी विश्वविद्यालय मुद्रणालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

ISBN- 978-81-938801-6-6

★ दूर शिक्षा केंद्र और शिवाजी विश्वविद्यालय की जानकारी निम्नांकित पते पर मिलेगी-
शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर-416 004. (भारत)
★ दूर शिक्षा विभाग-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के विकसन अनुदान से इस साहित्य की निर्मिति की है।

दूर शिक्षा केंद्र, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

सलाहकार समिति

प्रा. (डॉ.) देवानंद शिंदे
मा. कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) डी. टी. शिर्के
प्र-कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. एम. साळुंखे
माजी कुलगुरू,
यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिक

प्रा. (डॉ.) के. एस. रंगाप्पा
मा. कुलगुरू,
म्हैसुर विश्वविद्यालय, म्हैसुर

प्रा. पी. प्रकाश
अतिरिक्त सचिव-II
विद्यापीठ अनुदान आयोग, नवी दिल्ली

प्रा. (डॉ.) सीमा येवले
गीत-गोविंद, फ्लॅट नं. २, ११३९ साईक्स एक्स्टेंशन,
कोल्हापुर-४१६००१

प्रा. (डॉ.) पी. एस. पाटील
I/c अधिष्ठाता, विज्ञान और तंत्रज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) ए. एम. गुरव
I/c अधिष्ठाता, वाणिज्य और व्यवस्थापन विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) भारती पाटील
I/c अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) पी. डी. राऊत
I/c अधिष्ठाता, आंतर-विद्याशाखीय अभ्यास विद्याशाखा
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. एम. ए. काकडे
संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. व्ही. टी. पाटील
वित्त व लेखा अधिकारी,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. ए. अनुसे
(सदस्य सचिव)
संचालक, दूर शिक्षा केंद्र,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

समन्वय समिति : हिंदी

डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील,
अध्यक्षा, हिंदी अधिविभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

- **डॉ. पी. बी. मोकाशी**
  अवकाशप्राप्त प्राचार्य,
  आदर्श कॉलेज, विटा, जि. सांगली

- **डॉ. एन. व्ही. केसरकर**
  अवकाशप्राप्त प्राध्यापक
  प्रा. डॉ. एन. डी. पाटील महाविद्यालय, मलकापुर
  ता. शाहुवाडी, जि. कोल्हापुर

इकाई लेखक

★ **प्रा. डॉ. दिलीपकुमार कसबे** सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड
★ **प्रा. डॉ. महिपती जगन्नाथ शिवदास** सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड
★ **प्रा. ए. एम. शेख** भोगावती महाविद्यालय, कुरुकली
★ **डॉ. भारत उपाध्य** वारणा महाविद्यालय ऐतवडे खुर्द, ता. वाळवा, जि. सांगली

■ **सम्पादक** ■

प्रा. डॉ. दिलीपकुमार कसबे
सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड

प्रा. डॉ. महिपती जगन्नाथ शिवदास
सद्गुरू गाडगे महाराज कॉलेज, कराड

भूमिका

शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर की दूर शिक्षा योजना के अंतर्गत एम. ए. हिंदी भाग-I के छात्रों के लिए बनायी गयी अध्ययन सामग्री नियमित रूप से प्रवेश न ले सकने वाले छात्रों की असुविधा को दूर करने की योजना का अच्छा फल है। इसमें विश्वविद्यालय की सामाजिक संवेदनशीलता तथा शिक्षा से वंचित छात्रों को सुविधा प्रदान करने की प्रतिबद्धता दिखायी देती है।

प्रस्तुत पुस्तक में सत्र I प्रश्नपत्र III तथा सत्र II प्रश्नपत्र VII 'भाषाविज्ञान' का लेखन संपन्न किया है। प्रस्तुत पुस्तक की इकाइयों के लेखक हैं- प्रा. डॉ. दिलीपकुमार कसबे, प्रा. डॉ. महिपती जगन्नाथ शिवदास, प्रा. ए. एम. शेख और डॉ. भारत उपाध्य । प्रत्येक इकाई लेखक ने अपना अध्यापन अनुभव, शैली के आधार पर लेखन किया है। दूर शिक्षा के छात्रों की क्षमता ध्यान में रखकर सामग्री तैय्यार की है। प्रत्येक इकाई लेखक उनके लेखन के प्रति जिम्मेदार है।

दूर शिक्षा केंद्र के छात्रों का प्रत्यक्ष रूप में अध्यापकों से कोई संबंध संपर्क नहीं आता। पुस्तक लेखन कार्य के दरमियान निर्धारित पाठ्यक्रम, प्रश्नपत्र का स्वरूप, अंक विभाजन जैसे महत्त्वपूर्ण मद्दों को ध्यान में रखकर लेखन कार्य संपन्न किया है।

प्रश्न पत्र III के अंतर्गत भाषा तथा भाषा के विभिन्न रूप, भाषाविज्ञान का इतिहास, भाषाविज्ञान और सहयोगी शाखाएँ, हिंदी भाषा विविध आयाम तथा प्रश्नपत्र VII के अंतर्गत ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान और अर्थ विज्ञान का अध्ययन करना है।

प्रस्तुत अध्ययन सामग्री की सफलता सामुहिक प्रयास का फल है। प्रस्तुत लेखन कार्य के लिए समय-समय पर विषय समन्वयक प्रो. डॉ. पद्मा पाटील जी का मार्गदर्शन रहा है। उसी तरह इकाई लेखकों ने अपनी-अपनी इकाइयों का लेखन समय पर पूरा कर इसकी पूर्णता में महत्त्वपूर्ण भुमिका निभायी है।

शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर के मा. कुलगुरू प्रो. देवानंद शिंदे, कुलसचिव डॉ. विलास नांदवडेकर, हिंदी विषय समन्वयक प्रो. (डॉ.) पद्मा पाटील (अध्यक्ष, हिंदी विभाग), दूर शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. एम. ए. अनुसे एवं उनके सभी सहकारियों, संबंधित कर्मचारियों का हम अंतस्तल से आभार प्रकट करते हैं।

- संपादक

भाषाविज्ञान
एम. ए. भाग–1
हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र–3 और 7

अनुक्रम

इकाई		पृष्ठ
	सत्र–1 अनिवार्य बीजपत्र–3 : भाषाविज्ञान	
1.	भाषा तथा भाषा के विभिन्न रूप	1
2.	भाषाविज्ञान का इतिहास	49
3.	भाषाविज्ञान और सहयोगी शाखाएँ	81
4.	हिंदी भाषा : विविध आयाम	117
	सत्र–2 अनिवार्य बीजपत्र–7: भाषाविज्ञान	
1.	ध्वनि विज्ञान	209
2.	पद विज्ञान	250
3.	वाक्य विज्ञान	287
4.	अर्थ विज्ञान	319

अध्ययन मंडल : हिंदी

डॉ. राजेंद्र पिलोबा भोसले
अध्यक्ष, आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, पुसेगांव, जिल्हा सातारा

- **प्रो. डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील**
  हिंदी विभाग,
  शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
- **डॉ. बी. एस. खिलारे**
  छत्रपती शिवाजी कॉलेज, सातारा
- **डॉ. एस. एम. कांबळे**
  तुकाराम कृष्णाजी कोळेकर आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज,
  नेसरी, ता. गडहिंग्लज, जि. कोल्हापूर
- **डॉ. बबन एस. सातपुते**
  मिरज महाविद्यालय, मिरज, जि. सांगली
- **डॉ. के. वाय. धुमाळ**
  आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, वडुज, जि. सातारा
- **डॉ. चिंधगे संजय पिराजी**
  देशभक्त आनंदराव बळवंतराव नाईक आर्टस ॲण्ड सायन्स कॉलेज, चिखली, ता. शिराळा, जि. सांगली
- **डॉ. सुनिल बापू बनसोडे**
  जयसिंगपुर कॉलेज, जयसिंगपुर, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. एकनाथ श्रीपती पाटील**
  राधानगरी महाविद्यालय, राधानगरी,
  जि. कोल्हापुर
- **प्रो. डॉ. विष्णु रानबा सरोदे**
  हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
- **डॉ. मोहन मंगेशराव सावंत**
  आण्णासाहेब डांगे आर्टस, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज,
  हातकणंगले, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. प्रकाश शंकरराव चिकुर्डेकर**
  यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, वारणानगर,
  जि. कोल्हापुर
- **डॉ. मधुकर शंकरराव खराटे**
  आर्टस, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, बोधवाड,
  जि. जळगाव
- **डॉ. श्रीमती सरोज संग्राम पाटील**
  श्री. शहाजी छत्रपती महाविद्यालय, कोल्हापुर

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
महाराष्ट्र

दूर शिक्षा केंद्र

हिंदी : बीजपत्र 4 (क) और बीजपत्र 8 (क)
सत्र 1 और 2 के लिए

हिंदी कथा साहित्य

(शैक्षिक वर्ष 2018-19 से)

एम. ए. भाग–1

© **कुलसचिव,** शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
प्रथम संस्करण : 2018
एम. ए. भाग 1 (हिंदी : अनिवार्य बीजपत्र-4 और 8)
सभी अधिकार विश्वविद्यालय के अधीन। शिवाजी विश्वविद्यालय की अनुमति के बिना किसी भी सामग्री की नकल न करें।

प्रतियाँ : 600

■

प्रकाशक :
डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

मुद्रक :
श्री. बी. पी. पाटील
अधीक्षक,
शिवाजी विश्वविद्यालय मुद्रणालय,
कोल्हापुर - 416 004.

■

ISBN- 978-81-939381-1-9

★ दूर शिक्षा केंद्र और शिवाजी विश्वविद्यालय की जानकारी निम्नांकित पते पर मिलेगी-
शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर-416 004. (भारत)
★ दूर शिक्षा विभाग-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के विकसन अनुदान से इस साहित्य की निर्मिति की है।

दूर शिक्षा केंद्र, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

सलाहकार समिति

प्रा. (डॉ.) देवानंद शिंदे
मा. कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) डी. टी. शिर्के
प्र-कुलगुरू,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. एम. साळुंखे
माजी कुलगुरू,
यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिक

प्रा. (डॉ.) के. एस. रंगाप्पा
मा. कुलगुरू,
म्हैसुर विश्वविद्यालय, म्हैसुर

प्रा. पी. प्रकाश
अतिरिक्त सचिव-II
विद्यापीठ अनुदान आयोग, नवी दिल्ली

प्रा. (डॉ.) सीमा येवले
गीत-गोविंद, फ्लॅट नं. २, ११३९ साईक्स एक्स्टेंशन,
कोल्हापुर-४१६००१

प्रा. (डॉ.) पी. एस. पाटील
I/c अधिष्ठाता, विज्ञान और तंत्रज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) ए. एम. गुरव
I/c अधिष्ठाता, वाणिज्य और व्यवस्थापन विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) भारती पाटील
I/c अधिष्ठाता, मानवविज्ञान विद्याशाखा,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) पी. डी. राऊत
I/c अधिष्ठाता, आंतर-विद्याशाखीय अभ्यास विद्याशाखा
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

डॉ. व्ही. डी. नांदवडेकर
कुलसचिव,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. एम. ए. काकडे
संचालक, परीक्षा व मूल्यमापन मंडळ,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

श्री. व्ही. टी. पाटील
वित्त व लेखा अधिकारी,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

प्रा. (डॉ.) एम. ए. अनुसे
(सदस्य सचिव)
संचालक, दूर शिक्षा केंद्र,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

समन्वय समिती : हिंदी

डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील,
अध्यक्षा, हिंदी अधिविभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर.

- **डॉ. पी. बी. मोकाशी**
  अवकाशप्राप्त प्राचार्य,
  आदर्श कॉलेज, विटा, जि. सांगली

- **डॉ. एन. व्ही. केसरकर**
  अवकाशप्राप्त प्राध्यापक
  प्रा. डॉ. एन. डी. पाटील महाविद्यालय, मलकापुर
  ता. शाहुवाडी, जि. कोल्हापुर

इकाई लेखक

★ **डॉ. भारत बा. उपाध्य** वारणा महाविद्यालय, ऐतवडे खुर्द, ता. वाळवा, जि. सांगली
★ **डॉ. शैलजा माहेश्वरी** प्रताप महाविद्यालय, अमलनेर
★ **डॉ. वर्षा गायकवाड** श्रीमती मथुबाई गरवारे कन्या महाविद्यालय, सांगली
★ **डॉ. अशोक बाचूळकर** आजरा महाविद्यालय, आजरा

■ **संपादक** ■

डॉ. भारत बा. उपाध्य
वारणा महाविद्यालय, ऐतवडे खुर्द,
ता. वाळवा, जि. सांगली

अपनी बात

शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर की दूर शिक्षा योजना के अंतर्गत एम. ए. भाग एक – हिंदी कथा साहित्य – पेपर क्र. IV, VIII के छात्रों के लिए निर्मित अध्ययन सामग्री नियमित रूप से प्रवेश न पानेवाले छात्रों की असुविधा को दूर करने के लिए किया गया सफल प्रयास हैं। इसमें एक ओर विश्वविद्यालय की छात्र तथा समाज के प्रति संवेदनशीलता दिखाई देती है तो दूसरी तरफ शिक्षा से वंचित छात्रों को अध्ययन हेतु प्रतिबद्धता दिखाई देती है। अबतक अनेक छात्र दूर शिक्षा विभाग की इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। यह विश्वास है कि उसी तरह एम. ए. भाग एक के छात्र भी प्रस्तुत स्वयं अध्ययन सामग्री से लाभान्वित होंगे।

दूर शिक्षा विभाग के छात्रों का महाविद्यालय तथा अध्यापकों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कोई संपर्क नही आता। उनकी इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए अध्ययन सामग्री को सरल और सुबोध भाषा में प्रस्तुत किया गया है। इसलिए प्रस्तुत स्वयं अध्ययन सामग्री छात्रों के लिए उपादेय सिद्ध होगी, इसमें कोई संदेह नहीं हैं।

हिंदी कथा साहित्य – पेपर क्र. IV तथा VIII में कुल आठ इकाईयाँ है जो आठ पाठ्यपुस्तके विविध प्रकार मे पाठ्यक्रम में समाविष्ठ की गयी हैं। जिसका अध्ययन मूल रूप से छात्रों ने करना अनिवार्य है। जैसे – हिंदी कथा साहित्य – पेपर क्र. IV (सत्र I) दिव्या – यशपाल, चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद, एकांकी सप्तक – सं. डॉ. चंपा – श्रीवास्तव, प्रो. राजेन्द्र कुमार, प्रतिनिधि कहानियाँ – संपा. डॉ. शंकरलाल शर्मा – डॉ. कांचन शर्मा।

हिंदी कथा साहित्य पेपर क्र. VIII (सत्र 2) तमस – भीष्म साहनी, जादू कालीन – मृदुला गर्ग, नये एकांकी – अज्ञेय, प्रतिनिधि कहानियाँ – फणीश्वरनाथ रेणु।

उपर्युक्त शीर्षक एवं प्रश्नपत्रों के पाठ्यक्रम को केन्द्र मे रखकर तैयार की गई यह सामग्री विविध संदर्भ ग्रंथो के आधार पर बनाई गयी है जो छात्रों के लिए मददगार साबीत होगी। हम आशा करते है कि उपर्युक्त मौलिक किताबों का अध्ययन सुज्ञ छात्र तथा पाठक अवश्य करेंगे जो विस्तार के अध्ययन के लिए फायदेमंद होगा।

प्रस्तुत सामग्री सामूहिक प्रयास का फल है। इकाई लेखकों ने अपनी-अपनी इकाईयों का लेखन समय पर पूरा कर इसमें अपनी महत्त्वपूर्ण सहभागिता दर्ज की है। शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के मा. कुलगुरू, मा. कुलसचिव, शिवाजी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्षा, दूर शिक्षा विभाग के संचालक एवं उनके सभी सहयोगी सदस्यों ने समय-समय पर आवश्यक सहयोग दिया। अतः इन सभी के प्रति आभार प्रकट करते हैं।

धन्यवाद्

– संपादक

अनुक्रम

इकाई	पृष्ठ
सत्र–1 बीजपत्र–4 : हिंदी कथा साहित्य	
1. दिव्या (उपन्यास) : यशपाल	1
2. चन्द्रगुप्त (नाटककार) : जयशंकर प्रसाद	39
3. पाठ्यपुस्तक : एकांकी सप्तक – संपा. डॉ. चंपा श्रीवास्तव, प्रो. राजेन्द्रकुमार	100
4. पाठ्यपुस्तक, प्रतिनिधि कहानियाँ – संपा. डॉ. शंकरलाल शर्मा, डॉ. कांचन शर्मा	138
सत्र–2 बीजपत्र–8 : हिंदी कथा साहित्य	
1. तसम (उपन्यास) : भीष्म साहनी	215
2. जादू का कालीन (नाटक) : मृदुला गर्ग	259
3. पाठ्यपुस्तक : नये एकांकी–अज्ञेय	303
4. प्रतिनिधि कहानियाँ (कहानी संग्रह) – फणीश्वरनाथ रेणु	338

अध्ययन मंडल : हिंदी

डॉ. राजेंद्र पिलोबा भोसले
अध्यक्ष, आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, पुसेगांव, जिल्हा सातारा

- **प्रो. डॉ. श्रीमती पद्मा पाटील**
  हिंदी विभाग,
  शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर
- **डॉ. बी. एस. खिलारे**
  छत्रपती शिवाजी कॉलेज, सातारा
- **डॉ. एस. एम. कांबळे**
  तुकाराम कृष्णाजी कोळेकर आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज,
  नेसरी, ता. गडहिंग्लज, जि. कोल्हापूर
- **डॉ. बबन एस. सातपुते**
  मिरज महाविद्यालय, मिरज, जि. सांगली
- **डॉ. के. वाय. धुमाळ**
  आर्टस ॲण्ड कॉमर्स कॉलेज, वडुज, जि. सातारा
- **डॉ. चिंधगे संजय पिराजी**
  देशभक्त आनंदराव बळवंतराव नाईक आर्टस ॲण्ड सायन्स कॉलेज, चिखली, ता. शिराळा, जि. सांगली
- **डॉ. सुनिल बापू बनसोडे**
  जयसिंगपुर कॉलेज, जयसिंगपुर, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. एकनाथ श्रीपती पाटील**
  राधानगरी महाविद्यालय, राधानगरी,
  जि. कोल्हापुर
- **प्रो. डॉ. विष्णु रानबा सरोदे**
  हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
- **डॉ. मोहन मंगेशराव सावंत**
  आण्णासाहेब डांगे आर्टस, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज,
  हातकणंगले, जि. कोल्हापुर
- **डॉ. प्रकाश शंकरराव चिकुर्डेकर**
  यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, वारणानगर,
  जि. कोल्हापुर
- **डॉ. मधुकर शंकरराव खराटे**
  आर्टस, कॉमर्स ॲण्ड सायन्स कॉलेज, बोधवाड,
  जि. जळगाव
- **डॉ. श्रीमती सरोज संग्राम पाटील**
  श्री. शहाजी छत्रपती महाविद्यालय, कोल्हापुर